www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 248 | जौनपुर मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

कड़कड़डूमा कोर्ट की महिला वकील पर जानलेवा हमले का सुप्रीम कोर्ट ने लिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली महिला वकील मधु राजपूत पर उनके पति द्वारा जानलेवा हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर घटना का स्वतः संज्ञान लिया और तुरंत सुनवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण आदेश जारी किए। आरोप है कि 24 अप्रैल की रात को पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला वकील पर तलवार जैसी धारदार हथियार से हमला किया। हमले में उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हमले के बाद उन्हें उनके सोनिया विहार स्थित ऑफिस में बंद कर दिया गया, जिससे इलाज में देरी हुई। तीन अस्पतालों ने उन्हें भर्ती करने से इनकार कर दिया। केवल प्राथमिक उपचार के बाद सुबह करीब 6 बजे उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती किया जा सका। पीड़िता की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले पर गहरी चिंता जताई। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि अस्पतालों द्वारा इलाज से इनकार करना बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पीड़िता की दो नाबालिग बेटियों का पता लगाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। फिलहाल बड़ी बेटी को उसके नाना–नानी की कस्टडी में ही रहने दिया जाएगा। अदालत ने जांच अधिकारी को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच करने और जल्द से जल्द स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

खुर्जा में सभासद के भाई, भतीजे और चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

खुर्जा, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा शहर में एक मामूली विवाद ने भयावह रूप ले लिया। जन्मदिन की पार्टी के दौरान चेहरे पर केक लगाने को लेकर शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। इस घटना में पूर्व भाजपा सभासद के परिवार के तीन लोगों अमरदीप, मनीष और आकाश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और शहर में दहशत का माहौल बन गया।जानकारी के मुताबिक, अमरदीप (35) सुभाष मार्ग स्थित आरजेएस फिटनेस जिम में नियमित रूप से जाता था, जहां उसकी दोस्ती जीतू सैनी से हुई थी। जीतू का जन्मदिन रविवार को था, लेकिन दोस्तों ने शनिवार रात को ही जिम में पार्टी आयोजित की थी। इस पार्टी में करीब 35 से 40 युवक शामिल थे। रात करीब 11रू30 बजे जब केक काटा गया, तो मस्ती के माहौल में अमरदीप ने जीतू के चेहरे पर केक लगा दिया। इसी बात पर जीतू और उसका दोस्त मयंक सैनी नाराज हो गए और दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।विवाद बढ़ता देख अमरदीप ने अपने ताऊ के बेटे मनीष (32) और भतीजे आकाश (20) को फोन कर जिम बुला लिया।

50वीं वर्षगांठ समारोह में होंगे शामिल 4000 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य के गठन की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। साथ ही 4,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री सोमवार दोपहर करीब 3 बजे गंगटोक पहुंचेंगे। अगले दिन 28 अप्रैल को वह गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। इसे राज्य की समृद्ध जैव विविधता, दुर्लभ ऑर्किड प्रजातियों और पुष्प विरासत को दुनिया के सामने

पेश करने के लिए आधुनिक ऑर्किड एक्सपीरियंस सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। इसके बाद सुबह करीब 10 बजे प्रधानमंत्री पलजोर स्टेडियम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वह विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और जनसभा को संबोधित भी करेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम मोदी यांगांग में 100 बेड वाले आयुर्वेद अस्पताल की आधारशिला रखेंगे, जबकि एनआईटी देवराली में 30 बेड के एकीकृत सोवा रिग्पा अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। शिक्षा क्षेत्र में वह यांगांग स्थित सिक्किम विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस उत्कृष्टता विश्वविद्यालयके प्रशासनिक भवन, हेलेन लेप्चा मेडिकल कॉलेज और डेंटम प्रोफेशनल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा ही–ग्याथांग में मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, मंगशीला में नया मॉडल डिग्री कॉलेज, बूमतार गुम्फा में मठ छात्रावास–सह–कक्षा भवन और 160 स्कूलों में आईटी–सक्षम बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया जाएगा।

बंगाल रवाना होने से पहले सीएम योगी ने निभाया जनसेवा का वादा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह जनता दर्शन में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक–एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा। जनता दर्शन में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला–नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप–गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों पर अपना स्नेह लुटाया। उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने मां की गोद में बैठे बच्चों से पूछा–चॉकलेट चाहिए ।

गलत पार्टी में सही आदमी, राघव चड्ढा का आप पर तीखा प्रहार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे राघव चड्ढा ने अब अपनी पूर्व पार्टी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर सीधा हमला बोला है। बीजेपी में शामिल होने के बाद एक भावुक वीडियो संदेश में चड्ढा ने आरोप लगाया कि वे लंबे समय तक षालत पार्टी में सही आदमीष बने रहे और अंततः पार्टी के ष्दमघोंटू माहौलष ने उन्हें बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बदल गई है और अब इसका नेतृत्व ऐसे भ्रष्ट राजनेता कर रहे हैं जो सिर्फ अपने फायदे के लिए काम कर रहे हैं। राज्यसभा सदस्य के अनुसार, उन्होंने राजनीति में आने के लिए ब। के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया था, ताकि वह देश के लिए काम कर सकें। लेकिन ष्खराब काम के माहौलष के कारण, उन्हें और छह अन्य नेताओं को पार्टी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा, चड्ढा ने पर शेयर किए गए एक नए वीडियो में यह बात कही, साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि वह आम नागरिकों के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा ष्राजनीति में आने से पहले, मैं एक था। मैंने अपना करियर बनाने के लिए राजनीति में कदम नहीं रखा था। मैं एक राजनीतिक पार्टी का संस्थापक सदस्य बना। मैंने अपनी जवानी के 15 अहम साल इस पार्टी को अपना खून–पसीना और कड़ी मेहनत देकर समर्पित कर दिए। लेकिन अब यह पार्टी वैसी नहीं रही। इस पार्टी में काम करने का माहौल बहुत खराब है, और आपको काम करने से रोका जाता है। आपको संसद में बोलने से भी रोका जाता है।

रक्षा मंत्री बिश्केक में एससीओ की बैठक में लेंगे भाग, वैश्विक शांति और सुरक्षा पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)।, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विश्व में व्याप्त सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वह आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के देश के दृढ़ रुख को भी स्पष्ट करेंगे। रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा किर्गिस्तान के बिश्केक के लिए रवाना हो रहा हूं। कल होने वाली शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। विश्व में व्याप्त सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करने के साथ–साथ आतंकवाद और चरमपंथ

के प्रति भारत के शून्य सहिष्णुता के रुख को भी स्पष्ट करूंगा। बिश्केक में अन्य एससीओ के सदस्य देशों के समकक्षों और भारतीय समुदाय के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करूंगा। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंच है, जो सदस्य देशों के रक्षा नेताओं को क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों, आतंकवाद विरोधी रणनीतियों और सैन्य सहयोग पर विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ लाता है। बिश्केक में आयोजित होने वाले 2026 संस्करण में यूरेशिया क्षेत्र में उभरती सुरक्षा चुनौतियों और अस्थिरता और चरमपंथ के प्रति सामूहिक प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के महत्व को उजागर करने के लिए इस मंच का लगातार उपयोग किया है। पिछली बैठकों में, रक्षा मंत्री सिंह ने विश्वास निर्माण उपायों, क्षेत्रीय स्थिरता और कट्टरपंथ के खिलाफ ठोस कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसके साथ ही शांतिपूर्ण और सुरक्षित पड़ोस के लिए भारत के दृष्टिकोण को दोहराया है। 27–28 अप्रैल को अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री के एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा समकक्षों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करने की भी उम्मीद है।

पीएम मोदी ने बैरकपुर में किया रोड शो अमित शाह ने गंगासागर में की पूजा-अर्चना

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैरकपुर में रोड शो किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार आज शाम समाप्त हो जाएगा। इस चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी को समर्थन देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता राज्य में 90 लाख वोट काटे जाने का बदला भारतीय जनता पार्टी से लेगी। विधानसभा चुनाव के बीच केजरीवाल ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर

गड़बड़ी का आरोप लगाया। कोलकाता में एक जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, श्मैं ममता बनर्जी को इन चुनावों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। पश्चिम बंगाल की जनता जिस तरह इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रही है, उसके लिए उन्हें बधाई। पिछले दो दिनों में जो माहौल मैंने देखा है, उससे लगता है कि 90 लाख वोट काटने का बदला जनता जरूर लेगी। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी पार्टी की जीत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने हालिया पदयात्राओं और जनसभाओं में मिले जनसमर्थन का हवाला देते हुए कहा कि मां–माटी–मानुष की जीत अब सिर्फ समय की बात है। बनर्जी ने बंगाल की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान पर जोर देते हुए कहा कि यह भूमि हमेशा से सौहार्द, संस्कृति और सभ्यतागत गर्व का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी और विनाशकारी ताकतों के लिए यहां कोई जगह नहीं है और जनता उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन उत्तर 24 परगना में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में रोड शो किया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का राजस्थान दौरा, शानदार स्वागत की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को राजस्थान के दौरे पर रहेंगे। जहां वे पार्टी के ढांचे को मजबूत करने और भविष्य की रणनीतियां तय करने पर चर्चा करेंगे। पार्टी की ओर से नितिन नबीन के शानदार स्वागत की तैयारी की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह उनका पहला राजस्थान दौरा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि श्पधारो म्हारे देशश की भावना के तहत पार्टी ने हवाई अड्डे से लेकर जयपुर स्थित राज्य मुख्यालय तक रेड–कार्पेट स्वागत की योजना बनाई है। इसके तहत, पूरे शहर में 11 प्रमुख स्थानों पर स्वागत समारोह आयोजित किए जाएंगे।प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, नितिन नबीन सुबह जयपुर पहुंचेंगे और सीधे टोंक के लिए रवाना हो जाएंगे। राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौर ने बताया कि टोंक में, वे भाजपा के सात नए बने जिला कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे और दो अन्य कार्यालयों की आधारशिला रखेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान वे पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता को संबोधित भी करेंगे, जिसमें सात जिलों के कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है। भाजपा नेताओं ने संकेत दिया है कि इस कार्यक्रम के दौरान बूंदी, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बाड़मेर, पाली और चूरू में भी पार्टी के जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया जाएगा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा के दो अतिरिक्त जिला कार्यालयों की आधारशिला भी रखे जाने की उम्मीद है।इन कार्यक्रमों के बाद, नितिन नबीन जयपुर लौटेंगे, जहां वे पार्टी के राज्य मुख्यालय में राज्य भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

सात सांसदों का एनडीए में स्वागत, इंडिया ब्लॉक को कहा अलविदा : रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) से भाजपा में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आम आदमी पार्टी के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी। इस बदलाव से सदन में भाजपा का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व घटकर तीन रह गया। दलबदल करने वाले नेताओं– राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी ने पिछले सप्ताह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के अपने फैसले का खुलासा किया। रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के भाजपा में आना स्वीकार कर लिया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।ष संसद में उनके आचरण की प्रशंसा करते हुए मंत्री ने कहा, ष्मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है।ष भाजपा में उनका स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण करने वाले एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े–टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा।ष इस कदम से संसद के ऊपरी सदन में भाजपा की उपस्थिति और मजबूत हुई। अब राज्यसभा में आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व केवल तीन सदस्य– संजय सिंह, नारायण दास गुप्ता और संत बलबीर सिंह ही कर रहे हैं। दलबदल करने वाले समूह में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों का दो–तिहाई बहुमत शामिल था। संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, जिसे 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

इंसाफ की उम्मीद खत्म, अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा की कोर्ट में पेश होने से किया इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में एक बड़ा और कड़ा रुख अपनाया है। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को पत्र लिखकर स्पष्ट कर दिया है कि वह अब उनके समक्ष होने वाली किसी भी सुनवाई में न तो खुद पेश होंगे और न ही उनके वकील शामिल होंगे। उन्होंने साफ कर दिया कि न तो वह और न ही उनके वकील उनके तहत होने वाली कोर्ट की सुनवाई में शामिल होंगे। अपने संदेश में, केजरीवाल ने कहा कि उन्हें अब कोर्ट से निष्पक्ष नतीजे की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा मुझे जस्टिस स्वर्णकांता जी से इंसाफ मिलने की उम्मीद खत्म हो गई है। अपना पक्ष समझाते हुए, केजरीवाल ने कहा कि यह फैसला निजी था और उनकी अंतरात्मा की आवाज

पर आधारित था। उन्होंने कहा ष्मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर यह फैसला लिया है, और यह भी जोड़ा कि वह विरोध के तौर पर महात्मा गांधी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने की योजना बना रहे हैं। केजरीवाल ने आगे कहा मैंने गांधी जी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का फैसला किया है। केजरीवाल ने आगे कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह भारत के सुप्रीम कोर्ट में जज के फैसले को चुनौती देने का विकल्प खुला रखेंगे। यह तब हुआ जब दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल और दूसरों की तरफ से दायर उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस की सुनवाई से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के हटने की मांग की गई थी। जस्टिस शर्मा ने अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि उठाए गए दावों के पीछे कोई सबूत नहीं था और वे सिर्फ उन आरोपों पर आधारित थे जो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाते थे। जब मैंने यह फैसला लिखना शुरू किया, तो कोर्टरूम में सन्नाटा छा गया था। जो बचा था, वह एक ऐसे जज होने का बोझ था जिसने भारत के संविधान की शपथ ली थी। मुझे एहसास हुआ कि एक जज के तौर पर मेरी चुप्पी की ही परीक्षा हो रही थी, और अब सवाल जज और खुद संस्था की निष्पक्षता को लेकर था,ष उन्होंने फैसला सुनाते हुए कहा। आदेश सुनाते हुए,।

संपादकीय

अंधश्रद्धा को सही चुनौती

अपने चमत्कार दिखाकर धार्मिक श्रद्धा के बाजार और भक्ति के व्यापार में बहुत जल्द तरक्की करने वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को अब अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी है। महाराष्ट्र की अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (एएनआईएस) ने दो परीक्षणों के जरिए मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के श्चमत्कारीश दावों को चुनौती दी है। एएनआईएस के संस्थापक प्रो. श्याम मानव ने बीते दिनों नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को दो विशेष परीक्षणों से गुजरना होगा। अगर वे इन परीक्षणों में सफल होते हैं तो उन्हें रुपए 80 लाख की पुरस्कार राशि दी जाएगी, लेकिन अगर वे असफल होते हैं तो उनके कार्यक्रम शुल्क से जमा 8 लाख जब्त कर लिए जाएंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक शास्त्री ने इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है, हालांकि उनका कहना है कि श्मेरे पास कोई अलौकिक शक्तिनहीं है, सभी शक्तियां बजरंगबली की हैं। मुझे केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं धर्मांतरण का विरोध करता हूं।श इस पर प्रो. श्याम मानव का कहना है कि श्अगर वे वाकई दिव्य शक्तियां रखते हैं, तो हमारे परीक्षण में क्या डर? हम सार्वजनिक रूप से सिद्ध करने को तैयार हैं।श्बजरंगबली की शक्ति पर अटूट आस्था दिखाने वाले शास्त्री इन चुनौतियों को मानेंगे या नहीं, उसमें कामयाब होंगे या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन इस समय समाज जिस तेजी से अंधश्रद्धा का शिकार हो रहा है, आस्था और अंधविश्वास में फर्क को मिटाया जा रहा है, धर्म के मायने बदलकर दूसरे धर्म के लोगों से नफरत, बदला लेने की भावना को बढ़ावा मिल रहा है, संविधान को अपमानित कर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है, उसमें यह बेहद जरूरी है कि इस तरह के क्रियाकलापों पर तार्किक सवाल उठाए जाएं।प्रो. श्याम मानव ने इस चुनौती के साथ एक गंभीर आरोप भी लगाया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में महाराष्ट्र में अंधविश्वास बढ़ा है। हालांकि इस आरोप का दायरा बढ़ाकर पूरे देश पर लागू किया जा सकता है, क्योंकि शायद ही कोई राज्य, कोई जिला ऐसा होगा जहां अंधविश्वास से ग्रस्त जनता और उसे बढ़ावा देने वाला शक्तिशाली, संपन्न तबका मौजूद न हो। इसके बरक्स वैज्ञानिक सोच और नजरिए को बढ़ावा देने वाले लोग नगण्य रह गए हैं।अभी पिछले हफ्ते ही देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पिछले सोमवार ही अपने परिवार के साथ छतरपुर के बागेश्वर धाम में बालाजी की पूजा की और पीठाधिश्वर धीरेंद्र शास्त्री से भी मुलाकात की। जिसके बाद बी आर गवई ने कहा कि बागेश्वर धाम में सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े सामाजिक कार्य निरंतर चलते रहें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने बागेश्वर धाम में संचालित कैंसर हॉस्पिटल का भी जिक्र किया और वहां की स्वास्थ्य सेवाएं भी देखीं। व्यक्तिगत तौर पर श्री गवई चाहे किसी भी धर्मालय में जाएं और जो चाहें पूजा करें। लेकिन जिस पद पर वे रह चुके हैं, उसके बाद इस तरह किसी विशेष धाम के बारे में बयान देना उचित नहीं है। अच्छी बात है कि छतरपुर में धीरेन्द्र शास्त्री ने कैंसर अस्पताल बनवाया है, लेकिन बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की जो जिम्मेदारी सरकार की है, क्या उस पर भी श्री गवई कहेंगे।

नरेन्द्र मोदी पहले हैं या देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जब भी फोन पर बात होती है, फौरन उसकी सुर्खियां बन जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप भारत के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, भला–बुरा कहते हैं तो सरकार और मीडिया की तरफ से एकदम सन्नाटा छा जाता है। पाठक जानते हैं कि कई मोदी समर्थक पत्रकार तो मोदी–ट्रंप चर्चा पर बिना विस्तृत विवरण जाने ही लहालोट होने लगते हैं, क्योंकि उन्हें इन दोनों नेताओं की दोस्ती साबित करना है। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी देश को फौरन इत्तला करते हैं कि मेरे प्रिय मित्र डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात हुई। अभी पिछले हफ्ते ही दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट लंबी वार्ता फोन पर हुई। जिसके बारे में बताया गया कि प.एशिया में चल रहे तनाव, होर्मुज बंद होने का असर जैसे मुद्दों पर दोनों ने चर्चा की, आपसी साझेदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। इसके बाद ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे बहुत प्यारे मित्र हैं, और हम सब उनसे बहुत प्यार करते हैं। बस इतने में ही मोदी समर्थक गदगद हैं कि अमेरिका का राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री को पसंद करता है। लेकिन क्या यही अमेरिकी राष्ट्रपति भारत को भी पसंद करता है, यह एक बड़ा सवाल है। अक्सर विपक्ष की देशभक्ति की परीक्षा लेने वाले, उनके देशप्रेम को चुनौती देने वाले पत्रकारों और भाजपा के लोगों के लिए भी अब एक परीक्षा का वक्त है कि उनके लिए नरेन्द्र मोदी बड़े हैं या देश बड़ा हैदरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक विवादास्पद पोस्ट को दोबारा पोस्ट किया है, जिसमें भारत, चीन और अन्य देशों को श्हेलहोल्स (नर्क जैसा देश) करार दिया गया है। इस पोस्ट में अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) की नीति पर तीखा हमला किया गया है। अमेरिकी रेडियो होस्ट माइकल सैवेज ने मूल रूप से यह पोस्ट लिखी है। जिससे सहमति जताते हुए ट्रंप रीपोस्ट करते रहते हैं।इस में जन्मसिद्ध नागरिकता का मुद्दा अदालतों के बजाय आम नागरिकों द्वारा तय किए जाने की वकालत की गई है। इसमें अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन और अन्य कानूनी संगठनों की आलोचना करते हुए कहा गया है कि ये संस्थाएं अवैध आप्रवासन को बढ़ावा देने वाली नीतियों को प्रभावित करती हैं, जिससे सार्वजनिक संसाधनों पर बोझ बढ़ता है। पोस्ट में कहा गया है कि जन्मसिद्ध नागरिकता की वजह से अप्रवासी अमेरिका में आसानी से पैर जमाते हैं। इसके अनुसार, श्यहां एक बच्चे का जन्म होते ही वह तुरंत नागरिक बन जाता है और फिर वह अपने पूरे परिवार को चीन, भारत या दुनिया के किसी दूसरे नर्क जैसे देश से यहां बुला लेता है। ट्रंप ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए जन्मसिद्ध नागरिकता के खिलाफ अपने पुराने रुख को दोहराया है। दूसरा कार्यकाल संभालते ही ट्रंप ने अवैध रूप से रह रहे प्रवासी लोगों को बाहर निकालने का काम किस तरह से किया था, यह भारत ने देखा है। कम से कम तीन बार अमेरिका के सैन्य जहाजों में हथकड़ियों और बेड़ियों के साथ भारतीयों को वापस भेजा गया था। तब भी विपक्ष ने देश की संप्रभुता की रक्षा का सवाल उठाया था कि अमेरिकी सैन्य विमान हमारी धरती पर कैसे उतरे, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं कहा। जब विपक्ष ने भारतीयों के सम्मान का मुद्दा उठाया तो विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा था कि यह उनकी नीति है कि वे अवैध प्रवासियों को बाहर कर रहे हैं। यानी हर तरह से ट्रंप का बचाव करने की कसम मोदी सरकार ने खा ली है। लेकिन फिर देश का बचाव कौन करेगा, यह सवाल अब और गंभीरता से उठ रहा है। क्योंकि इस बार भारत को सीधे नर्क जैसी जगह कहा गया है।ट्रंप ने अगर ऐसी कोई पोस्ट मोदी की तारीफ में लिखी होती तो अब तक उस पर ढिंढोरा पीटा जा चुका होता, लेकिन देश को नर्क कहा जा रहा है और मोदी सरकार ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक शब्द भी विरोधस्वरूप दर्ज नहीं कराया है। वैसे तो खुद नरेन्द्र मोदी भी कह चुके हैं कि 2014 से पहले भारतीय सोचते थे कि पता नहीं पिछले जन्म का कौन सा पाप किया है, जो इस देश में जन्म लिया। यह भी देशविरोधी वक्तव्य था। लेकिन प्रधानमंत्री ने दिया था तो आलोचना की गई। इस बार मामला दूसरा है। इस बार देश के प्रधानमंत्री ने नहीं, दूसरे देश के राष्ट्रपति ने हमारे देश को नर्क बताया है ।

आखिर दुनिया का "थानेदार" ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित है

कमलेश

आखिर दुनिया का "थानेदार" कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के "असुरक्षित" दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है। पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावरू अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है–चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की। दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पधारू डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबावकृये सब किसी भी नेता को "रक्षात्मक" या असुरक्षित दिखा सकते हैं। तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादरू ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्ककृकभी–कभी असुरक्षितकृदिख सकता है। चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति–संतुलनरू अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की "थानेदार" वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। ट्रंप की राजनीति में "हम बनाम वे" का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैंकृचाहे वह बाहरी हो या आंतरिककृ ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी "असुरक्षा" का आभास होता है। अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (बतपउम तंजम) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46ः लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं। सातवां, आर्थिक असमानतारू अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर–गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, वचपवपक बतपेपे जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है। आठवां, हथियार संस्कृतिरू अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है। नौवां, अपराध का "केंद्रित" होनारू पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है।।इसलिएरू कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक। दसवां,, मीडिया और राजनीति का प्रभाव लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया "खतरे" को अम्प्लीफाय (उचसपलि) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। "भय अर्थव्यवस्था" भी एक फैक्टर है। ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँरू अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे– गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा "प्रतिक्रियावादी" है, "सुरक्षात्मकध्संरक्षात्मक" कम। यह कहा जा सकता है कि अमेरिका "कमजोर" नहीं है, लेकिनरूआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकालाय एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि थ्ठप् की एंटी–टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं। आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है। मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं कीय खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकेंय कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई। इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे ष्पूरी विफलताष् बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए। वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10–42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर–ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिसध्एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

सवालों का सामना करेगी आम आदमी पार्टी

उमेश

राजनीति सपने दिखाते हुए लोगों से उन्हें पूरा करने के वायदे करती है, लेकिन लोगों को उन्हीं राजनीतिक दलों के दिखाए सपनों पर भरोसा होता है, जिनकी साख होती है। लोकतंत्र में साख हासिल करने का सबसे बड़ा और जांचा–परखा हथियार आंदोलन ही है। कई बार जनाकांक्षाओं के उफान में आंदोलन से उभरी राजनीति को सफलताएं मिल भी जाती हैं, लेकिन वे लंबे समय तक टिक नहीं पातीं। उनमें बिखराव शुरू हो जाता है। आम आदमी पार्टी के साथ भी क्या ऐसा ही हो रहा है? राघव चड्ढा की अगुआई में आप के दस में से सात सांसदों के बगावती होने और बीजेपी में शामिल होने के बाद कुछ ऐसे ही सवाल उठ रहे हैं। इतने सांसदों के एक साथ पार्टी छोड़ने से आप की बौखलाहट स्वाभाविक है। पार्टी की ओर से राघव चड्ढा और उनके साथियों पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने ईडी और केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में पाला बदल लिया है। इस आरोप के बाद पहला सवाल तो आम आदमी पार्टी पर ही उठता है। ईडी या सीबीआई का डर तो उसे ही होगा, जो भ्रष्टाचारी हो। चूंकि आम आदमी पार्टी का उभार देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था, भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी शासन देने का उसका वादा भी रहा। ऐसे में अगर उसके सांसद भ्रष्टाचार के डर से पाला बदलते हैं तो इसका मतलब तो यही निकलेगा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करने वाली पार्टी में भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। अगर ऐसा नहीं होता तो उसका सांसद भ्रष्टाचार में कैसे शामिल हो सकता है? अगर शामिल भी हुआ तो उसके नेतृत्व ने इसकी रोकथाम के लिए कोई कारगर कदम क्यों नहीं उठाया। सवाल यह भी उठता है कि क्या भ्रष्टाचार रोकने वाली पार्टी भी दूसरी पार्टियों जैसी क्यों बन गई? इंदिरा सरकार की जन विरोधी नीतियों और कांग्रेसी सरकारों में भ्रष्टाचार के खिलाफ 1970 के दशक में जेपी आंदोलन हुआ था। उस आंदोलन में शामिल हो रहे लोगों को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने जयप्रकाशन नारायण को एक पत्र लिखा था। जेपी आंदोलन का एक लक्ष्य व्यवस्था को बदलना भी था। चंद्रशेखर ने अपने पत्र में आशंका जताई थी कि आंदोलन में शामिल होने वाले नेता व्यवस्था में बदलाव के लिए नहीं, सत्ता के लिए आ रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा था कि सत्ता में आने के बाद ये ही नेता व्यवस्था का हिस्सा बन जाएंगे और भविष्य में अपनी–अपनी जातियों के नेता बन जाएंगे। उन नेताओं की ओर देखते हैं तो पाते हैं कि चंद्रशेखर की आशंका सच हुई। उस आंदोलन से निकलने नेताओं में से ज्यादातर पारिवारिक पार्टियों के नेता हैं और ज्यादातर पर भ्रष्टाचार को लेकर मुकदमे चल रहे हैं। जेपी आंदोलन में उभरे नेताओं का जातीय आधार पर टिकी राजनीति के चलते अस्तित्व बचा हुआ है, लेकिन असम से घुसपैठियों को बाहर निकालने वाले आंदोलन से उभरी पार्टी असम गणपरिषद के नेताओं के बारे में आज देश कितना जानता है? जबकि केजरीवाल की तरह उसके नेताओं ने छात्रावास से निकल कर सीधे सत्ता के गलियारों पर कब्जा कर लिया था। यह पहला मौका नहीं है कि अन्ना आंदोलन से उभरी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से बड़े नाम निकले हैं। आम आदमी पार्टी के संस्थापकों में शामिल रहे योगेंद्र यादव और मशहूर वकील प्रशांत भूषण को पार्टी ने शुरू में ही या तो निकाल दिया था या वे निकल गए थे। प्रशांत भूषण के पिता शांति भूषण ने आम आदमी पार्टी की स्थापना के लिए भारी रकम दी थी। अन्ना आंदोलन में अरविंद केजरीवाल के साथ कंधा से कंधा भिड़ाकर खड़ी रहीं पूर्व पुलिस अधिकारी किरण बेदी को भी जल्द ही पार्टी से अलग राह चुननी पड़ी थी। पार्टी का शुरू के दिनों से ही बड़ा चेहरा रहीं शाजिया इल्मी भी वहां की बजाय अब भारतीय जनता पार्टी में हैं। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रहे आनंद कुमार हों या फिर कैलाश गहलोत, सबको केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी से अलग राह चुननी पड़ी है। जब भी किसी दल से कोई नेता बगावत करके नई राह चुनता है, तब वह दल विशेष उसे गद्दार कहता है। राघव चड्ढा की अगुआई में केजरीवाल के खिलाफ बगावत करके नई राह चुनने वाले सांसदों को भी गद्दार कहा जाना कोई नई बात नहीं है। वैसे अपने निजी अहम् या अनदेखी के चलते दलों को छोड़ना या फायदे के लिए दल बदलना भारतीय राजनीति में जाना–पहचाना है। इस लिहाज से देखें तो आम आदमी पार्टी से बगावत होना भी नया नहीं कहा जाएगा। लेकिन सवाल यह उठता है कि जिस पार्टी की डेढ़ दशक की उम्र भी नहीं हुई, उसके महत्वपूर्ण नेता आखिर क्यों उसे छोड़कर निकल रहे हैं? यह सवाल और भी महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि इस बार पार्टी छोड़ने वाले नेताओं में से राघव चड्ढा और संदीप पाठक तो पार्टी के शुरूआती दिनों से रणनीतिकार और संगठक रहे हैं। दोनों केजरीवाल के नजदीक भी माने जाते रहे। दिल्ली से राज्यसभा सांसद बनने से पहले स्वाति मालीवाल भी केजरीवाल की करीबी मानी जाती रहीं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी के एजेंडे को ही आगे बढ़ाया। उनका कार्यक्षेत्र दिल्ली ही था, लेकिन मणिपुर और दूसरे बीजेपी शासित राज्यों के कथित महिला अत्याचारों की जांच करने वह इसीलिए पहुंचती रहीं, ताकि बीजेपी को अपने दलीय एजेंडे के तहत कठघरे में खड़ा किया जाए। मुख्यमंत्री निवास में उनसे हुई कथित मारपीट के बाद से वे बगावती हैं। राघव चड्ढा के साथ जाकर उन्होंने अपनी बगावत को सियासी वैधता देने की कोशिश की है।

आप में इस बड़ी बगावत का सीधा फायदा निश्चित तौर पर बीजेपी को ही होगा। अगले साल गुजरात और पंजाब में चुनाव हैं। गुजरात में आप बार–बार तीसरा कोण बनाने की कोशिश करती है। बगावत से उसके जमीनी कार्यकर्ताओं पर असर पड़ेगा और तीसरा कोण बनाने में वह शायद ही सफल हो पाए। उत्तर भारत में भारतीय जनता पार्टी के लिए पश्चिम बंगाल के बाद पंजाब पर निगाह है। वहां वह अब तक कायदे से उपस्थिति भी दर्ज नहीं करा पाई है। याद करना चाहिए कि राघव लंबे समय तक पंजाब के प्रभारी रहे हैं। आप ने पिछला विधानसभा चुनाव भी उनके ही प्रभार में जीता था। बीजेपी इन नेताओं के जरिए पंजाब में आप के किले में सेंध लगाने की कोशिश करेगी। वैसे भी चड्ढा के साथ गए नेताओं में सबसे ज्यादा पंजाब से ही चुनकर आए हैं। वैसे इस बगावत से पंजाब की राजनीति में कांग्रेस की राह भी आसान हो सकती है। उसके छिटके हुए कार्यकर्ता भी उसकी ओर लौटना शुरू कर सकते हैं।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग के नतीजे असल में संकेत देते हैं

टी एन अशोक

मत डालने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के वापस लौटने की खबरें काफी अहम हैं। बंगाल में लंबे समय से प्रवासन के कारण चुनावी भागीदारी कमजोर होती रही है। उनका वापस लौटना यह संकेत देता हैरू एक ऐसी सोच कि यह चुनाव सामान्य से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। राजनीतिक दांव–पेंच को लेकर एक बढ़ा हुआ एहसास, जो अब उनकी निजी पहचान से भी जुड़ गया है। राजनीति ज्यादातर लोकतंत्रों में भारी मतदान को एक अच्छी बात माना जाता है, जो चुनाव प्रणाली में भरोसे की निशानी है। परन्तु भारत में यह बात इतनी सीधी नहीं है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों में जो जबरदस्त भागीदारी देखने को मिलीकृ जहां मतदान क्रमशरू 84 प्रतिशत और 92 प्रतिशत के पार पहुंच गईकृ उसे और गहराई से समझने की जरूरत है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं। ये संकेत हैं, कुछ गड़बड़ियां हैं, और कुछ मामलों में, जान–बूझकर की गई राजनीतिक चालें हैं।पहली नजर में, तमिलनाडु की रिकॉर्ड मतदान एक जानी–पहचानी कहानी जैसी लगती है। इतिहास गवाह है कि जब–जब मतदान में अचानक उछाल आया हैकृखासकर 2011 मेंकृतब–तब सत्ता–विरोधी लहर भी जोरों पर रही है। इससे अपने–आप यह सवाल उठता हैरू क्या सत्ताधारी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्रकडगम (द्रमुक) मुश्किल में है? इसका जवाब हैरू जरूरी नहीं। 2026 में मतदान में जो उछाल आया है, वह एक काफी बदले हुए मतदाता सूची पर आधारित है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वजह से मतदाताओं की संख्या लाखों में कम हो गई थी। इसलिए, भले ही मतदान का प्रतिशत बढ़ा हो, लेकिन मतदाताओं की कुल संख्या में जो बढ़ोतरी हुई हैकृपिछले चुनावों के मुकाबले लगभग 19 लाखकृवह उतनी बड़ी नहीं है जितनी दिखती है। दूसरे शब्दों में, यह मतदाताओं का एक छोटा समूह है जो ज़्यादा जोश से मत डाल रहा है, न कि कोई पूरी तरह से नई लहर जो चुनावी मैदान का नक्शा बदल रही हो। यह फर्क समझना जरूरी है। यह इस सोच को थोड़ा नरम करता है कि सत्ता के खिलाफ कोई बहुत बड़ी लहर चल रही है।अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी, श्तमिलगावेट्रीकडगमश (टीवीके) के चुनावी मैदान में उतरने से युवा मतदाताओं में, खासकर 18 से 40 साल के लोगों में, यकीनन नया जोश भर गया है। मतदाताओं का यह समूहकृजो तमिलनाडु में पहले से ही काफी बड़ा हैकृइस बार बड़ी संख्या में मत डालने के लिए बाहर निकला है। लेकिन जोश होना और चुनावी तौर पर एकजुट होना, ये दोनों अलग–अलग बातें हैं। विजय की लोकप्रियता फैली हुई है, शहरी इलाकों में ज़्यादा है, और अभी भी अपने राजनीतिक स+फर के शुरुआती दौर में है। उनकी मौजूदगी से शायद ये हुआ हैरू मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, खासकर पहली बार मत डालने वालों के बीच। द्रमुक–विरोधी मत एक जगह जमा होने के बजाय अलग–अलग हिस्सों में बंट गए हैं। खासकर शहरी इलाकों की करीबी चुनावी लड़ाइयों में, जिससे नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। द्रमुक के लिए, यह विरोधाभासी रूप से फायदेमंद है। एक बंटा हुआ विपक्ष, सत्ता–विरोधी लहर के पूरी तरह हावी होने के जोखिम को कम कर देता है।शोर–शराबे के बावजूद, द्रमुक के पास कई ऐसे फायदे हैं जो खामोश हैंरू महिला मतदाता, जिनकी संख्या अब पुरुषों से ज़्यादा है, लगातार कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता के पक्ष में रही हैं। शासन का एक अपेक्षाकृत स्थिर माहौल, जिसमें कोई बड़ा घोटाला नहीं हुआ है। गहरे संगठनात्मक नेटवर्क, जिनकी बराबरी नए आए दल नहीं कर सकते। नेता एम. के. स्टालिन ने भड़काऊ बयानबाजी से परहेज किया है, और द्रमुक को गुस्से का निशाना बनने के बजाय स्थिरता के रक्षक के रूप में पेश किया है। इस संदर्भ में, भारी मतदान, शायद प्रतिस्पर्धी लामबंदी को दर्शाता है, न कि किसी अस्वीकृति को।विपक्ष का खेमा एकजुट होने के बजाय ज़्यादा भीड़भाड़ वाला है। जयललिता के बाद पैदा हुए नेतृत्व के खालीपन के चलते, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्रकडगम (अन्नाद्रमुक) अभी भी नेतृत्व की स्पष्टता के लिए संघर्ष कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना विस्तार तो किया है, लेकिन द्रविड़ राजनीतिक परिवेश में उसकी संरचनात्मक सीमाएं अभी भी बनी हुई हैं। उनके गठबंधन का गणित तो शायद काम कर जाए, लेकिन उनकी कहानी में कोई तालमेल नहीं है। याद रहे भारी मतदान वाले चुनावों में, अक्सर गणित से ज़्यादा कहानी मायने रखती है। अगर तमिलनाडु में मतदान का रुझान अस्पष्ट है, तो पश्चिम बंगाल में यह बेहद स्पष्ट है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा पार करना, न केवल लोगों की भागीदारी को दर्शाता है, बल्कि उनके जोश को भी दिखाता हैकृएक ऐसा समाज जो गहरे तौर पर ध्रुवीकृत है और मतदान को अपने अस्तित्व की लड़ाई मान रहा है। यहां, मतदान का मकसद जिज्ञासा कम और मजबूरी ज़्यादा है।मत डालने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के वापस लौटने की खबरें काफी अहम हैं। बंगाल में लंबे समय से प्रवासन के कारण चुनावी भागीदारी कमजोर होती रही है। उनका वापस लौटना यह संकेत देता हैरू एक ऐसी सोच कि यह चुनाव सामान्य से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। राजनीतिक दांव–पेंच को लेकर एक बढ़ा हुआ एहसास, जो अब उनकी निजी पहचान से भी जुड़ गया है। यह कोई सामान्य चुनावी लामबंदी नहीं है। यह भावनाओं की पुकार है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस चुनाव को श्शासन बनाम विपक्षश की लड़ाई के तौर पर नहीं, बल्कि श्बंगाल बनाम बाहरी दखलश की लड़ाई के तौर पर पेश किया है। नागरिकता कानून (सीएए), संभावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी), और मतदाता सूची में संशोधन (एसआईआर) से जुड़े आरोपों जैसे मुद्दों को, सांस्कृतिक और राजनीतिक खतरे की एक बड़ी कहानी में पिरो दिया गया है। कोई इस नजरिए से सहमत हो या न हो, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह काफी असरदार साबित हुआ है। यहां भारी मतदान शायद इन बातों को दर्शाता हैरू अल्पसंख्यक और ग्रामीण मतदाताओं का एकजुट होना। भाजपा के कथित वैचारिक विस्तार के खिलाफ एक जवाबी लामबंदी। मत को किसी आकांक्षा के बजाय, अपनी सुरक्षा के एक हथियार के तौर पर देखना। सबसे अहम सवाल यह हैरू क्या 92प्रतिशत से अधिक का मतदान मौजूदा सत्ताधारी दल के प्रति गुस्से का संकेत है, या फिर चुनौती देने वाले दल के प्रति डर का? बंगाल में, सुबूत बाद वाली बात की तरफ इशारा करते हैं। ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)ने अपनी कमजोरी को एक जरूरी मुद्दे में बदल दिया है। सिर्फ अपने काम के बचाव के बजाय, उसने हार के नतीजों को ही नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। भाजपा के लिए, इससे एक अजीब विरोधाभास पैदा हो गया है। उसके उभार ने मुकाबले का दायरा तो बढ़ाया हैकृ लेकिन साथ ही एक ऐसी प्रतिक्रिया भी पैदा कर दी है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अप्रैल 2026 को यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में कुल 757 वाहनों का चालान किया गया। यह अभियान जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया था। पुलिस बल ने जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर सघन चेकिंग की। अभियान का मुख्य लक्ष्य सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। चेकिंग के दौरान, पुलिस टीमों ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इनमें बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वाले शामिल थे। विभिन्न थानों की पुलिस ने मिलकर कुल 757 वाहनों का चालान किया। जौनपुर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

जौनपुर में 40 डिग्री पहुंचा अधिकतम तापमान न्यूनतम 28 डिग्री, लू से जनजीवन प्रभावित, संक्रामक रोग बढ़े

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अप्रैल महीने में लगातार बढ़ रहे तापमान ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 28 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। भीषण गर्मी के कारण दोपहर में लोग घरों से निकलने से बच रहे हैं, जिससे सड़कों पर भीड़ कम दिखाई दे रही है। तेज धूप और गर्मी से लोग काफी परेशान हैं। जो लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं, वे सिर, मुंह और पूरा शरीर ढककर ही निकल रहे हैं। थोड़ी सी भी लापरवाही हीट स्ट्रोक का कारण बन सकती है। गर्मी के कारण संक्रामक रोगों में भी वृद्धि हुई है, जिससे अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। पिछले दो दिनों से तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। तीखी धूप के कारण किसानों की सब्जी की फसलें सिंचाई के अभाव में खराब हो रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तापमान में वृद्धि के साथ ही लू चल रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि फिलहाल अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है।

बिजली के लिए बवाल, तीन उपकेंद्र पर हंगामा, प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। भीषण गर्मी में बिजली संकट से त्रस्त लोगों ने शनिवार रात एक बजे से चिनहट के देवा रोड और राजाजीपुरम के न्यू उपकेंद्र पर हल्ला बोला। उपकेंद्रों में घुसकर मेज–कुर्सियों को पलट दिया। एक जगह जाम लगाने की कोशिश की। रात से लेकर रविवार सुबह चार बजे तक प्रदर्शन चला। न्यू नूरबाड़ी उपकेंद्र पर भी उपभोक्ताओं ने हंगामा किया। हंगामा और प्रदर्शन के बीच कर्मचारी भी बंद आपूर्ति को चालू करने में जुटे रहे।

सीयूईटी पीजी (अंग्रेजी विषय) प्रवेश परीक्षा में आहना यादव को मिला देश में सर्वोच्च अंक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी विषय में जिले की बेटी आहना यादव ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त कर परिजनों सहित पूरे जनपद को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। नगर के गूलरघाट निवासी शिक्षक संजय यादव व मनोरमा यादव की पुत्री आहना यादव ने अंग्रेजी विषय से परास्नातक करने के लिए एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी) द्वारा आयोजित सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग किया था। सीयूईटी द्वारा घोषित परिणाम में आहना यादव नें पूर्णाक 300 में 287 अंक हासिल कर अंग्रेजी विषय से परास्नातक करने के क्रम में पूरे देश में सर्वोच्च अंक हासिल कर पहला स्थान बनाने में कामयाब रहीं। और सीयूईटी पीजी की सभी विषयों की संयुक्त परीक्षा परिणाम में देश में चौथे स्थान पर रही।आहना यादव की सफलता पर परिजनों सहित जनपद में खुशी का माहौल है। बचपन से पढ़ाई में होनहार आहना यादव ने शुरुआती शिक्षा जौनपुर में हासिल कर उच्च शिशा के लिए राजस्थान की बनस्थली यूनिवर्सिटी को चुना, अंग्रेजी विषय में परास्नातक करने के लिए सीयूईटी प्रवेश परीक्षा दिया था और पूरे देश में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर जनपद को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने में कामयाब रही। आहना शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बनाकर देश व समाज की सेवा करना चाहती हैं। आहना के बड़े भाई कनिष कुणाल सुप्रीमकोर्ट में अधिवक्ता हैं और छोटे भाई कृतज्ञ कल्याण दिल्ली यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आहना की इस उपलब्धि पर उनके शिक्षक राधेश्याम, व्यापार मंडल अध्यक्ष इन्द्रभान सिंह श्इन्दूश, शिक्षक नेता संतोष सिंह, राम प्रसाद, मिथिलेश सिंह गुड्डू, पत्रकार विद्याधर राय विद्यार्थी आदि ने खुशी जाहिर किया है।

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ने पर एक फ्लाइट महीने में बचाएगी एक करोड़, यूपी में महज एक प्रतिशत लगता है वैट

लखनऊ, (संवाददाता)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लॉन्च के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले वैट यानी टैक्स का मुद्दा गरमा गया है। नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच

एटीएफ पर वैट की दरों में भारी अंतर एयरलाइंस के लिए बड़ी चिंता का विषय बन रहा है। यह भविष्य में उड़ानों और परिचालन रणनीति को प्रभावित कर सकता है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एटीएफ पर 25 प्रतिशत लगने वाला बैट उत्तर प्रदेश में महज 1 प्रतिशत रह जाता है। विमानन उद्योग के अनुसार, कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में टैक्स में मामूली बदलाव भी कंपनियों के मुनाफे पर सीधा असर डालता है। वैट में अंतर का सीधा सा अर्थ है कि लखनऊ के बाद जेवर एयरपोर्ट से एयरलाइंस कंपनियों का परिचालन दिल्ली के मुकाबले काफी सस्ता पड़ेगा। उन्हें सीधे–सीधे 24 फीसदी की बचत होगी दिल्ली में एटीएफ की कीमत करीब 96000 रुपये प्रति किलोलीटर है, जिस पर 25 प्रतिशत वैट जोड़ने से 24000 रुपये किलोलीटर अतिरिक्त लागत आती है। वहीं उत्तर प्रदेश में एक किलोलीटर एटीएफ 80164 रुपये का है। इस पर वैट केवल 802 रुपये है। उड़ान के नजरिये से देखें तो लखनऊ–दिल्ली रूट पर एक सामान्य विमान करीब 3 किलोलीटर ईंधन खपत करता है। ऐसे में दिल्ली से ईंधन भराने पर एयरलाइंस को एक तरफ की उड़ान पर ही जेवर की तुलना में लगभग 72 हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। यानी केवल जेवर से जुड़ने पर एक फ्लाइट हर महीने एक करोड़ से ज्यादा की बचत केवल सस्ते ईंधन से कर लेगी। एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इतना बड़ा अंतर एयरलाइंस को जेवर एयरपोर्ट से ईंधन भराने के लिए प्रेरित कर सकता है। धीरे धीरे उड़ानों का एक हिस्सा कम टैक्स वाले हवाई अड्डों की ओर शिफ्ट हो सकता है।

कृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग का शिवानन्द भाई श्री महाराज ने किय भावपूर्ण वर्णन, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बी आर पी इंटर कॉलेज के मैदान में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन सोमवार को रात कथावाचक शिवानन्द भाई श्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के पावन विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायक वर्णन किया। महाराज श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह केवल एक पौराणिक घटना नहीं, बल्कि सच्चे प्रेम, अटूट विश्वास और पूर्ण समर्पण का दिव्य प्रतीक है। उन्होंने बताया कि माता रुक्मिणी बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण को अपने पति के रूप में स्वीकार कर चुकी थीं और उनके प्रति उनकी श्रद्धा अडिग थी। उन्होंने विस्तार से बताया कि जब रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से तय किया, तब रुक्मिणी ने अत्यंत व्याकुल होकर श्रीकृष्ण को संदेश भेजा और उन्हें

विदर्भ आकर अपने सम्मान की रक्षा करने का निवेदन किया। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी भक्त की पुकार को तुरंत स्वीकार किया, विदर्भ पहुंचे और रुक्मिणी का हरण कर विधिापूर्वक उनका विवाह संपन्न किया। कथावाचक ने इस प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि सच्चा प्रेम और विश्वास हर कठिनाई को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि भगवान सदैव अपने भक्तों की पुकार सुनते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। इसलिए जीवन में श्रद्धा और भक्ति को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे समय भक्ति में लीन होकर कथा का श्रवण करते रहे। कथा के दौरान श्रद्धालु भजनों और कीर्तन में भावविभोर होकर झूम उठे। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत हो गया। अंत में आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे कार्यक्रम का समापन भक्तिमय माहौल में हुआ।

मनमानी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, बिड रिजेक्ट करने पर जताई नाराजगी

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अहम आदेश में स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद बिड (बोली) खारिज किया जाना मनमाना और भेदभाव पूर्ण है। कोर्ट ने यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की बिड, जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद खारिज कर दी गई, माना कि टेंडर देने वाले अधिकारी की फैसला लेने की प्रक्रिया भेदभावपूर्ण है। इसलिए कोर्ट ने पूरी टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगा दी और प्रतिवादियों को फिलहाल टेंडर के तहत कोई भी कॉन्ट्रैक्ट देने से मना कर दिया है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने ने यह आदेश मेसर्स एसोसिएटेड जूट इंडस्ट्रीज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। इसमें याची की बिड को तकनीकी आधार पर खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम लिमिटेड ने अलग–अलग क्षमता वाले हाई डेंसिटी (एंटी–स्किड) पॉली एथिलीन बोरे (बिना लैमिनेशन वाले) और सर्कुलर लूम पर बुने हुए बैग की सप्लाई के लिए एक टेंडर का विज्ञापन निकाला था। याचिकाकर्ता ने जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी बिड जमा की थी। याचिकाकर्ता फर्म की ओर से दलील दी गई कि परचेज ऑर्डर और सर्टिफिकेट से यह पता चलता था कि याचिकाकर्ता द्वारा सप्लाई किए गए बैग उसी तरह के थे और याचिकाकर्ता के पास टेंडर को पूरा करने की तकनीकी विशेषज्ञता थी। फिर भी बिड को मनमाने आधारों पर खारिज कर दिया गया। इसे, इस आधार पर खारिज किया गया कि याचिकाकर्ता ने टेंडर की शर्तों के मुताबिक परचेज ऑर्डर और सफलतापूर्वक काम पूरा होने का सर्टिफिकेट अपलोड नहीं किया। याची की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि परचेज ऑर्डर की कॉपियों के साथ याचिकाकर्ता के आवेदन को भी खारिज कर दिया गया और ठीक अगले ही दिन, जो कि रविवार था, फाइनेंशियल बिड खोली गई। कहा कि यह प्रक्रिया किसी एक पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए चलाई जा रही थी। कोर्ट ने कहा कि इस आधार पर बोली को खारिज करना कि उसने परचेज ऑर्डर और कंप्लीशन सर्टिफिकेट अपलोड नहीं किया था, मनमाना था।

संक्षिप्त खबरें

अयोध्या रोड डायवर्जन लागू होने पर सड़क पर बढ़ा यातायात का दबाव

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या रोड पर यातायात दबाव कम करने के लिए लागू की गई डायवर्जन व्यवस्था के कारण रविवार को छुट्टी के दिन भी लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। कमता बस स्टैंड के पास बैरिकेडिंग लगाकर की गई यू–टर्न व्यवस्था के कारण चिनहट तिराहा, पॉलीटेक्निक और कमता में हर मोड़ पर जाम की स्थिति बन रही है। पॉलीटेक्निक से शहीद पथ जाने वाले वाहनों को सीधे जाने के बजाय लंबा यू–टर्न लेकर चिनहट या कमता होते हुए भेजा गया। इससे सामान्य रास्तों पर वाहनों की संख्या बढ़ गई है और यातायात धीमा हो गया है। हालांकि जगह–जगह तैनात ट्रैफिक पुलिस यातायात को सामान्य कराते दिखी। बंथरा कस्बे में साप्ताहिक बाजार के चलते रविवार को एक बार फिर भीषण जाम लग गया। लखनऊ से कानपुर जाने वाली पटरी पर शाम करीब पांच बजे से लगा जाम दो घंटे तक चला। आलम यह रहा कि लोगों के पैदल और साइकिल से निकलना भी मुश्किल हो गया। गौरतलब है कि बंथरा में प्रत्येक बुधवार और रविवार को साप्ताहिक बाजार लगती है। बाजार में आने वाले लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। इससे सड़क संकरी हो जाती है।

लखनऊ के खिलाड़ियों का कराटे में दबदबा

लखनऊ, (संवाददाता)। मेजबान लखनऊ के खिलाड़ियों ने राज्य कराटे चौंपियनशिप के तीसरे छह स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। इसी के साथ टीम ने ओवरऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी के लिए अपनी दावेदारी भी मजबूत की। गौतमबुद्धनगर ने भी शानदार वापसी करते हुए सात स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते। अलीगढ़ के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया। चौक स्टेडियम के इंडोर हॉल में आयोजित चौंपियनशिप में लखनऊ अब तक 14 स्वर्ण पदक जीत चुकी है। रविवार को लखनऊ के लिए सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (13 वर्ष) में अरहम खान, सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (6 वर्ष) में विनायक शर्मा, सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (9 वर्ष) में सरन खत्री, बालक कुमिते (12 वर्ष, 45 किग्रा से कम) में करन खत्री सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (10 वर्ष) में आर्यवीर सिंह और सब जूनियर बालक टीम काता (10/13 वर्ष) में अरहम, आरव व तनिश ने शानदार प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीते। सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (13 वर्ष) में तोयेश पाल, सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (8 वर्ष) में कृष्णा यादव, सब जूनियर बालक कुमिते (11 वर्ष, 30 किग्रा से कम) में अक्षय और सब जूनियर बालक टीम काता (10द13 वर्ष) में आर्यवीर, रुद्र व सरन ने रजत पदक जीता। वहीं शिखर ने सब जूनियर बालक कुमिते (13 वर्ष, 65 किग्रा से अधिक) में, नैमिष पांडेय ने सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (13 वर्ष) आर्यवीर सिंह ने सब जूनियर बालक कुमिते (10 वर्ष, 30 किग्रा से कम) में, रियांश सक्सेना और इवान अत्रेय ने भी सब जूनियर बालक व्यक्तिगत काता (10 वर्ष) में कांस्य पदक जीते।

पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने पर मंत्री राजभर ने दिया बड़ा बयान

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के पंचायती राज मंत्री और सुल्तानपुर जिले के प्रभारी ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिले में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। समय पर चुनाव नहीं हो पाने के आसार पर उन्होंने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे या फिर पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद जिले में पहुंचे पंचायती राज मंत्री सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया से बात कर रहे थे।

इसके बाद वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन व कांग्रेस और सपा के खिलाफ आयोजित रैली में हिस्सा लेंगे। राजभर ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना परिसीमन करके महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की थी पर विपक्ष ने इसमें अड़ंगा लगा दिया। सपा–कांग्रेस की मंशा ही नहीं है कि देश की महिलाओं को अधिकार मिले। देश की आबादी जब 68 करोड़ थी तो उसके अनुसार लोकसभा में 545 सीटों का निधारण किया गया। 2011 को हुई जनगणना के अनुसार, सीटों की संख्या 815 होनी चाहिए पर विपक्ष ने सरकार का साथ नहीं दिया जिससे बिल लोकसभा में गिर गया। विपक्ष नहीं चाहता कि राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। कांग्रेस ने 30 साल से इस बिल को लटका कर रखा है अब जब मोदी सरकार इस पर कार्रवाई कर रही है तो विपक्ष अड़ंगा डाल रहा है। राजभर ने कहा कि विपक्ष राजनीति में महिलाओं के आरक्षण का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को नहीं देना चाहता इसलिए विरोध कर रहा था।

घर पर लखनऊ सुपरजायंट्स की आठवीं हार, थके कदमों से आधी रात लौटे फैंस

लखनऊ, (संवाददाता)। मो. शमी ने जब कार्तिक त्यागी की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मुकाबले को सुपरओवर तक पहुंचाया लगा कि लखनऊ घर में सात हार के बाद पहली जीत का स्वाद चख सकता है, लेकिन यहां भी लखनऊ के बल्लेबाजों ने निराश किया। सुनील नारायण ने सुपरओवर में पहली गेंद पर निकोलस पूरन (0) और तीसरी गेंद पर मार्करम (0) को पवेलियन भेजा। दो रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता के लिए रिंकू सिंह ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर चौका जड़कर मुकाबला जीत लिया। घरेलू मैदान में लखनऊ सुपरजायंट्स की लगातार आठवीं हार का ठीकरा इस बार भी बल्लेबाजों के सिर पर फूटा। इस हार के साथ टीम अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर फिसल गई। साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना भी बेहद कम हो गई है। कोलकाता के 155 रन के जवाब में लखनऊ ने आठ विकेट पर 155 रन बनाए। मुकाबले में कॅरिअर बेस्ट गेंदबाजी करने वाले मोहसिन खान (4–1–23–5) के प्रदर्शन पर रिंकू सिंह (51 गेंदों पर 83 रन) की आतिशी बल्लेबाजी भारी पड़ी। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपरजायंट्स के बल्लेबाज इनफॉर्म मिचेल मार्श (2) के आउट होने के बाद संभल न सकी। टीम से एडन मार्करम (31) के बाद कप्तान ऋषभ पंत (42 रन) ही कुछ संघर्ष कर सके, जबकि निकोलस पूरन (9) ने एक बार फिर निराश किया। मध्यक्रम से आयुष बदोनी (19 गेंदों पर 24 रन) और हिम्मत सिंह (10 पर 19 रन) ने उपयोगी पारी खेली। इससे पहले तेज गेंदबाज मोहसिन खान की विविधता भरी गेंदबाजी (4–1–23–5) कोलकाता नाइटराइडर्स के बल्लेबाजों पर भारी पड़ी। हालांकि पारी के आखिरी ओवरों में रिंकू सिंह की आतिशबाजी (51 गेंदों पर 83 रन) की बदौलत टीम ने लखनऊ सुपरजायंट्स के सामने 156 रन का लक्ष्य रखा। अपने आईपीएल कॅरिअर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाले एलएसजी के तेज गेंदबाज मौजूदा सीजन में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज भी बन गए। उधर, रिंकू सिंह ने लखनऊ के लिए पारी का आखिरी ओवर फेंकने आए दिग्वेश राठी की खबर लेते हुए चार छक्के जमाते हुए कुल 26 रन बना डाले। रिंकू सिंह का यह आईपीएल में सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला सही साबित हुआ। मोहसिन खान ने कोलकाता को शुरुआती झटके दिए। 73 रन पर छह विकेट खोने के बाद रिंकू सिंह ने एक छोर संभालते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 51 गेंदों पर सात चौके और पांच छक्कों की मदद से 81 रन की तूफानी पारी खेली। कोलकाता ने सात विकेट खोकर 155 रन बनाए। टीम का प्रदर्शन कैसा भी हो लेकिन वक्त आने पर प्रशंसक अपनी टीम का हौसला बढाध्ने स्टेडियम तक पहुंच ही जाते हैं। रविवार को इकाना स्टेडियम में हुए लखनऊ सुपरजायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले में बड़ी संख्या से प्रशंसक पहुंचे। दूर–दराज और दूसरे शहरों से आने वाले दर्शक दोपहर तीन बजे से ही स्टेडियम पहुंचने लगे। इस दौरान उन्हें प्रचंड धूप और गर्मी का भी सामना करना पड़ा। हालांकि तेज धूप भी प्रशंसकों के बुलंद हौसले को नहीं तोड़ सकी। हर बार की तरह ही इस बार भी विपक्षी टीम पर एलएसजी के फैंस भारी पड़े। मैदान के अंदर और बाहर हर तरफ लोग लाल जर्सी पहने ही दिखाई दे रहे थे। जर्सी बेचने वालों के पास काफी भीड़ नजर आई। टॉस के टाइम से पहले ही पूरा स्टेडियम खचाखच भर गया। मैच शुरू होने से पहले ही दर्शकों पर मैच का जादू सर चढ़कर बोलने लगा। हर विकेट और चौके–छक्के पर दर्शक झूम उठते। मैच के दौरान स्टेडियम में पूरे समय एलएसजी–एलएसजी के नारे गूंजते रहे।

कुर्सी के लिए जोड़–तोड़ की सियासत जोरों पर, जुगाड़ तंत्र से अफसर ने मारा मैदान

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में सत्ता के लिए माननीयों के बीच जोड़–तोड़ का खेल जारी है। इसके लिए सहयोगी दल के माननीय लगातार सेटिंग कर रहे हैं तो भगवा दल के माननीय भी खासे सक्रिय हैं। वहीं, खेती–बाड़ी वाले विभाग में एक अफसर ने अपने जुगाड़ तंत्र से मैदान मार लिया। वहीं, पढ़ाई लिखाई वाले विभाग में तबादलों के मामले में सूखे में हरियाली पर पानी फिर गया। इन दिनों माननीय बनने की होड़ में जोड़–तोड़ की सियासत जोरों पर है। सत्ता पक्ष के सहयोगी दल से लाल बत्ती पाने के लिए एक नेताजी रातदिन एक किए हैं। वहीं, उन्हें काउंटर करने के लिए भगवा दल के एक माननीय कमर कसे बैठे हैं। दोनों की नजर एक ही कुर्सी पर है। मजे की बात ये है कि सहयोगी दल वाले माननीय तो भगवा दल में भी सेटिंग किए बैठे हैं। खेती–बाड़ी वाले विभाग के एक अफसर ने बहुत सी खामियों के बाद भी जुगाड़ तंत्र लगाया और मैदान मारने में सफल हो गए। कुछ लोगों ने इसकी शिकायत पदोन्नति देने वाले अफसर से की। अफसर की घिग्घी बंध गई। उन्होंने अपनी मजबूरी बताई। इसी बीच पदोन्नति पाने वाले को भी शिकायत की भनक लग गई। उन्होंने आव देखा न ताव शिकायतकर्ता को धमका दिया। साफ कह दिया कि हम भविष्य के मुखिया हैं। ठीक से रहना। अब धमकी पाने वाला शिकायतकर्ता घूम–घूमकर लोगों को हकीकत बता रहा है। ऐसे में विभाग में हलचल मची है। प्रदेश के पढ़ाई लिखाई वाले एक विभाग में पिछली बार तबादला सत्र शून्य हो गया था। इस बार विभागीय अधिकारियों को उम्मीद थी कि कुछ अच्छा होगा लेकिन इस बार भी तबादले की पॉवर कुछ जगह पर केंद्रित हो गई है। नीचे से खाली जगहों और अधिकारियों का ब्योरा ले लिया गया है।

योगी सरकार के मंत्री बोले सपा बिगाड़ना चाहती है प्रदेश का माहौल

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर के कटारिया गांव की घटना को लेकर पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक बेटी की मौत जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सरकार ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता, डेढ़ बीघा जमीन का पट्टा और मुख्यमंत्री आवास उपलब्ध कराया है। ऌींपचनत छमूरू अब तक 16 आरोपियों को पकड़ा गया राजभर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वह गांव पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत डूबने से होने की पुष्टि हुई है। गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज में युवती अकेले जाते हुए दिखाई दी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने सपा के केवल 15 लोगों के जाने की अनुमति दी थी, लेकिन करीब 250 लोग पहुंच गए। सभी के एक साथ जाने की जिद के चलते विवाद हुआ और पथराव की घटना भी सामने आई, जिससे माहौल बिगड़ा। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना तथ्यों के हत्या या दुष्कर्म जैसे आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत भी मान्यता देती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी का संदेश लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को गाजीपुर जाएगा। यहां की पूरी स्थिति की जानकारी लेगा और राहुल प्रियंका गांधी को रिपोर्ट सौंपेगा। गाजीपुर के कटारिया गांव में विश्वकर्मा समाज की नाबालिग की मौत मामले पर सियासत तेज हो गई है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया है। अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को गाजीपुर पहुंच रहा है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि गाजीपुर प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग की जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता 5 मई को करेंगे रक्तदान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन की मंडलीय मासिक पंचायत मंडल अध्यक्ष अनुपम वर्मा की अध्यक्षता में आयुक्त परिसर में संपन्न हुई जिसमें 05मई को रक्तदान करने तथा अक्टूबर माह के नवरात्र में सामूहिक विवाह करने का निर्णय लिया गया।मासिक पंचायत को सम्मिलित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने संगठन मजबूती पर बल देते हुए कहा की सदस्यता अभियान चलाकर गांव कमेटिया बनाकर संगठन को मजबूत करें जितने पदाधिकारी हैं सबसे पहले 25 साधारण सदस्य बनाकर स्वयं सक्रिय सदस्य बनने का कार्य करें।और किसानों पर हो रहे अन्याय ,अत्याचार तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु मजबूती से आंदोलन करें।अपने अध्यक्षीय भाषण में मंडल अध्यक्ष अनुपम वर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्तदान करके बेसहारा लोगों की जान बचाई जा सकती है जो बड़ा पुण्य कार्य है। और 05 मई 2026 को जिला पुरुष चिकित्सालय में स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान करने की घोषणा किया।और यह भी तय किया गया कि अक्टूबर माह के नवरात्र में सामूहिक विवाह का शुरूआत किया जाएगा।मासिक पंचायत को जिला अध्यक्ष अयोध्या राम गणेश मौर्य, मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, मंडल संगठन मंत्री कमलेश वर्मा, रामानंद वर्मा, फरीद अहमद, डा0 रामजन्म वर्मा, जगन्नाथ पटेल,जितेंद्र कुमार,भोला सिंह टाइगर,संतोष वर्मा, जगदीश यादव, रामबरन,राम सूरत, रामनयन वर्मा, विवेक पटेल, जवाहरलाल तिवारी आदि लोगों ने संबोधित किया।

पुरवा हवा तथा हल्की बादलों से लोगों को मिली गर्मी से कुछ राहत

अयोध्या। पिछले दो दिनों से भीषण गर्मी के चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया था वहीं मंगलवार को पुरवा हवा चलने तथा आसमान में हल्के बादल छाए रहने के चलते लोगों ने गर्मी से राहत महसूस किया। बताते चलें रविवार सोमवार को लगभग 44 डिग्री तापमान हो गया था और चिलचिलाती धूप ने लोगों को बुरी तरह परेशान कर दिया था।हालात ऐसे थे कि सड़कों पर आवाजाही भी काफी कम हो गई थी।सोमवार को दिन में भी तेज धूप के कारण लोग घरों में ही रहने को मजबूर रहे।लेकिन पुरवा हवा के चलने के बाद और कुछ बदल होने से गर्मी से लोगों को कुछ राहत महसूस हुई। लेकिन मंगलवार को दोपहर में उमस भरी गर्मी दिखाई दिया। मौसम के संबंध में आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अमरनाथ मिश्रा के अनुसार, महीने के अंत तक पुरवा हवाओं का असर तापमान में कमी के रूप में दिखाई देगा, लेकिन तेज धूप के कारण गर्मी का प्रभाव बना रहेगा। मंगलवार दोपहर बाद हल्के बादल छाने की संभावना भी जताई है। लोगों को गर्मी से बचाव के लिए चिकित्सकों ने कुछ सलाह दिया कि इस समय अपने घरों से बाहर निकलते समय सिर और चेहरे को गमछे या कपड़े से ढकें।पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। डिहाइड्रेशन होने पर ओआरएस का सेवन करें। इसके साथ–साथ खाद्य पदार्थों में हरी सब्जियां और मौसमी फल आहार में शामिल करें। चिकित्सकों का मानना है कि गर्मी के दिनों में खासकर बासी भोजन का सेवन कतई ना करें कोल्ड ड्रिंक और जंक फूड के सेवन से बचे हैं बाहर के तथा खुले खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज करें और कोशिश या भी रहे की धूप से आने के बाद तुरंत ठंडे पर पदार्थ का सेवन न करें और ना ही तुरंत एसी चलाएं।

डीएम का सख्त रुख, गैस एजेंसियो के लिए अब केवल 7 दिन का बैकलॉक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पेट्रोलियम पदार्थो की उपलब्धता के सम्बन्ध में बैठक की गयी।जिलाधिकारी के समीक्षा के दौरान ऑयल कम्पनी के सेल्स ऑफीसर द्वारा बताया गया कि जनपद में तीनों ऑयल कम्पनी आईओसीएल, बीपीसीएल व एचपीसीएल में डीजलध्पेट्रोल की उपलब्धता सन्तोषजनक है।डीजलध्पेट्रोल की आमद निर्बाध रूप से करायी जा रही है।जिस पर जिलाधिकारी ने ऑयल कम्पनियों के विक्रय अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों की भविष्य में कोई कमी न होने पाये। घरेलू एल०पी०जी० के सम्बन्ध द्वारा अधिकतम एक सप्ताह (07 दिन) का बैकलॉग ही स्वीकार किया गया एवं विक्रय अधिकारी एवं गैस एजेन्सी के प्रोपराइटरध्प्रबन्धक को निर्देश दिये कि आम जनमानस को एक सप्ताह के बैकलॉग के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार कराकर अवगत कराते हुये शत प्रतिशत होम डिलीवरी करायी जाय तथा गैस एजेन्सी के गोदामों से उपभोक्ताओं को डिलीवरी न की जाय।जिलाधिकारी ने आमजनमानस से अपील की कि वे अपने घर पर ही होम डिलीवरी के माध्यम से गैस प्राप्त करें। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडेय, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा एवं विक्रय अधिकारी, आईओसीएल,बीपीसीएल एवं एच०पी०सी०एल० (एच०एस०डी०), आई०ओ०सी०एल० एवं बी०पी०सी०एल० (एल०पी०जी०) उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटना में घायल वार्ड बॉय सहित तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

उन्नाव, (संवाददाता)। लखनऊ–बांगरमऊ मार्ग पर शनिवार शाम दो बाइकों की भिड़ंत में दंपती सहित चार लोग गंभीर घायल हो गए थे। घायलों में सीएचसी में तैनात वार्ड ब्याय सहित तीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक वार्ड ब्वॉय की पत्नी का लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव पीखी निवासी रहीसुद्दीन (47) सीएचसी रूरी सादिकपुर में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत थे। रविवार को वह अपनी पत्नी सादिया (45) के साथ बाइक से पीखी गांव में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे। शाम को वापस सीएचसी जा रहे थे। लखनऊ –बांगरमऊ मार्ग पर स्थित थाना आसीवन–फतेहपुर चौरासी बॉर्डर शारदा नहर चौधरीखेड़ा पुल के पास दूसरी बाइक से टक्कर हो गई थी। पटना में दंपती के साथ दूसरी बाइक सवार हरदोई के बालामऊ निवासी शिवमोहन (30) पुत्र विजयप्रकाश द्विवेदी साथ रहा फुफेरे भाई सदर कोतवाली क्षेत्र के बसोखा गांव निवासी शोभित शुक्ला (20) पुत्र स्व कौशल घायल हो गए थे। घायलों में रहीसउद्दीन उनकी पत्नी सादिया को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया गया था वहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देख लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं शिवमोहन द्विवेदी व शोभित को सफीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। रविवार रात लखनऊ ट्रामा सेंटर में वार्ड ब्याय रहीसुद्दीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल में शोभित शुक्ला व शिवमोहन ने भी दम तोड़ दिया। पीखी निवासी रहीसुद्दीन के दो पुत्र व तीन पुत्रियां सभी अविवाहित हैं। मृतक शोभित की मां गुड्डी शुक्ला ने बताया कि शोभित का मूल निवास थाना बेहटामुजाबर के गौरियाकला में है। वह ननिहाल में रहकर मगरवारा स्थित नेहरूबाग कंपनी में काम करता था। रविवार को छुट्टी होने के से अपने फुफेरे भाई शिवमोहन के साथ गौरियाकला गया था। शोभित और शिवमोहन अविवाहित थे। ऐसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने एसआई चेतना पाण्डेय के साथ महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या।एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर तथा सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय व अपनी टीम के साथ महिलाओ व बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज 5 के तहत जागरुक किया।मंगलवार को महिला एसओ आशा शुक्ला ने एसआई चेतना पांडे व अपनी टीम के साथ मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत जिला चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय, रिकाबगंज में उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया।

प्रमुख चौराहों, गलियों मे जाम लगनने से अयोध्या वासी रहते है घंटो परेशान

अयोध्या।इस समय रामनगरी में यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।देखा जाये तो शहर का कोई ऐसा ही चौराहा या फिर गलियां शायद ही बची हो जहां पर आपको जाम ना मिले।देखा जाए तो यह जाम केवल कुछ मिनट तक ही नहीं बल्कि कई घंटों तक आप इस जाम में फंसे रहेंगे यहां तक की इधर से गुजरने वाले खासकर एंबुलेंस के माध्यम से मरीज छात्रों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।इस संबंध में जब यातायात पुलिस विभाग के अधिकारियों से बात की जाती है तो उनका यही रटा रटाया उत्तर रहता है कि जाम की कोई समस्या शहर में नहीं है।कोतवाली नगर क्षेत्र के कसाबबाडा, रिकाबगंज, जिला महिला चिकित्सालय, गुरु नानक पब्लिक स्कूल, देवकाली बाईपास, नाका बाईपास, रायबरेली बाईपास मार्ग, चौक, फतेहगंज, रिकाबगंज, नियांवा, गुदरी बाजार सहित कई ऐसे प्रमुख चौराहे व मार्ग है जहां पर जाम लगना आम बात है।यह जाम सुबह से लेकर देर शाम तक बनी रहती है। सबसे गंभीर स्थिति उसे समय जाम की उत्पन्न हो जाती है जब राम मंदिर दर्शन के लिए या अन्य किसी कार्यक्रम में किसी विप व्यक्तियों का मूवमेंट रहता है।जिसके चलते स्कूली बच्चे मरीज, बाहर से आने वाले श्रद्धालु व अन्य राहगीर, दो पहिया व चार पहिया वाहन चालक इस जाम में घंटो फंसे रहते है।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी ध्यान नहीं दे रहे है।देखा जाये तो इन चौराहों पर आपको एकाद यातायात के सिपाही मिलेंगे।आधा चौराहा आपको ऐसे मिलेंगे जहां पर ना तो यातायात सिपाही तैनात मिलेंगे और ना ही यातायात ट्रैफिक लाइट से भीड़ को कंट्रोल करते हुए मिलेगी।इस संबंध मे एसपी यातायात अवधेश प्रताप सिंह ने बताया बात कि विभाग में यातायात पुलिस कर्मी पर्याप्त संख्या में है। जो विभिन्न चौराहों पर तैनात रहते हैं।

एजेंसी पर रसोई गैस के लिए हंगामा, सिलिंडर लेने गए उपभोक्ताओं को कर्मचारियों ने भगाया

गोरखपुर, (संवाददाता)। उरुवा थाना क्षेत्र के मां लक्ष्मी इंडेन ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी पर रविवार को रसोई गैस सिलिंडर वितरण को लेकर उपभोक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। एजेंसी कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में गाली–गलौज, धक्का–मुक्की और मारपीट तक हो गई। घटना के दौरान मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि डीएसी (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) होने के बावजूद उन्हें गैस सिलिंडर नहीं दिया जा रहा है। आरोप है कि कर्मचारियों की ओर से डीएसी को गलत बताकर गैस सिलिंडर ब्लैक में बेचे जा रहे हैं उपभोक्ताओं ने बताया कि कई–कई दिनों तक सुबह से शाम तक एजेंसी पर कड़ी धूप में इंतजार करने के बावजूद भी उन्हें सिलिंडर नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें घर लौटकर वैकल्पिक ईंधन का सहारा लेना पड़ता है।बताया जा रहा है कि रविवार को एजेंसी की गाड़ी क्षेत्र के बौररडीह गांव में गैस वितरण के लिए गई थी। वहां उपभोक्ता रामानंद यादव ने मोबाइल फोन पर अपना डीएसी दिखाकर गैस सिलिंडर मांगा। कर्मचारियों ने डीएसी को गलत बताते हुए सिलिंडर देने से इन्कार कर दिया और उन्हें एजेंसी पर जाकर बात करने को कहा। इसके बाद रामानंद यादव एजेंसी पहुंचे और संचालक से बात करने का प्रयास किया। आरोप है कि इस पर कर्मचारियों ने उनके साथ अभद्रता करते हुए धक्का देकर भगा दिया। बीच–बचाव करने पहुंचे हरिजनपुर निवासी अमित यादव के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार और धक्का–मुक्की की गई। घटना के बाद करीब आधे घंटे तक उपभोक्ता एजेंसी पर हंगामा करते रहे और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे। वहीं, एजेंसी संचालक संतलाल का कहना है कि एक उपभोक्ता ने कर्मचारी का कॉलर पकड़ लिया था, जिससे विवाद बढ़ गया। उन्होंने बताया कि अब डीएसी जारी करने का अधिकार एजेंसी को मिल गया है ।

मोबाइल पर आने वाले अनजान काल व ओटीपी शेयर करने से बचे - एसपी ग्रामीण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। इस समय साइबर ठगी से संबंधित अपराध बढ़े है।आए दिन कम पढ़े–लिखे लोगों को छोड़िए बुद्धिजीवी लोग भी साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं।इस संबंध मे साइबर क्राइम नोडल प्रभारी तथा एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि साइबर ठगी से अगर बचाना है तो सभी लोगों को जागरूक रहना पड़ेगा।लोगों को जागरूक करने के लिए सभी थाना क्षेत्रों में संबंधित प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष पुलिस कर्मियों के साथ लोगों को साइबर ठगी क्या है उसे कैसे बचा जाए पंपलेट बैनर पोस्टर के माध्यम से जागरुक कर रहे हैं। बताया कि इसके अलावा बीच–बीच में लोगों से अपील किया जाता है कि वह सभी किसी को मोबाइल पर आने वाले मैसेज तथा और खासकर ओटीपी कतई शेयर ना करें। एटीएम से पैसा निकालते समय या ध्यान दें की कोई आपके आसपास संदिग्ध रूप से खड़ा तो नहीं है और साथ ही साथ कोशिश या रहे पैसा निकालते समय आप ही अंदर रहे। बताया कि पैसा निकालने तथा एटीएम से संबंधित जानकारी प्राप्त करनी हो तो वहां पर खडे सुरक्षा गार्ड से अपनी समस्या बताएं ना कि किसी अनजान व्यक्ति से। मिशन शक्ति फेस 5 अभियान के बारे में उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति फेज 5 केंद्र राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिलाओं तथा बालिकाओं के विकास तथा सुरक्षा को लेकर लिए अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है जिसका प्रचार प्रसार पंपलेट पोस्टर बैनर के अलावा स्कूल कॉलेज चौराहा पर संबंधित पुलिसकर्मियों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है साथ ही साथ इस अभियान के तहत पुलिस कर्मियों द्वारा कुछ महत्वपूर्ण नंबर भी बताया जा रहा है। जिससे कि समय रहते महिलाएं व बेटियां अपनी मदद कर सके।

साकेत महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में विधायक ने 50 लाख की निधि देने की घोषणा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। साकेत महाविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद द्वारा राजा जगदम्बिका प्रताप नारायण सिंह सभागार में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने महाविद्यालय के विकास हेतु अपनी निधि से 50 लाख रुपये देने की घोषणा की।इस धनराशि से महाविद्यालय परिसर में पेयजल व्यवस्था, पानी की टंकी, शौचालय निर्माण तथा ऑडिटोरियम का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष असीम त्रिपाठी द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया।कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साकेत महाविद्यालय क्षेत्र का प्रमुख शिक्षण संस्थान है, जहां हजारों विद्यार्थी अध्ययन कर अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी महाविद्यालय के विकास के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।कार्यक्रम में साकेत महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आलोक बंसल, सचिव आनंद सिंघल, विश्व प्रकाश रूपन, प्राचार्य डा दानपति तिवारी, नीशीथ वर्मा, अविनाश चन्द्रा, पूर्व प्राचार्य प्रदीप खरे, मनूचा डिग्री कालेज की प्राचार्या डा मंजूषा मिश्रा, शिक्षक संघ के अध्यक्ष जनमेजय तिवारी, पर्यटन अधिकारी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्र– छात्राएं मौजूद रहीं।

भीषण गर्मी में शुरू होते ही दुकानों पर सज गए मिट्टी से निर्मित देसी फ्रिज

अयोध्या। भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए शहर वासी जहां एक तरफ ठंडे पेयजल का सेवन करने के लिए फ्रिज का उपयोग कर रहे हैं वही देसी फ्रिज जिसे हम सुराही या मटके,घड़े के नाम से जानते हैं उसका भी उपयोग शहर वासी काफी मात्रा में करते हुए दिखाई दे रहे हैं।हो भी क्यों ना इसका उपयोग करने वाले शहर वासियों के साथ–साथ चिकित्सकों का भी मानना है कि वास्तव में इसमें रखें पानी की जो गुणवत्ता तथा ठंडापन रहता है वह फ्रिज में रखें प्लास्टिक तथा शीशे की बोतलों में नहीं। देखा जाए गर्मी में भारी संख्या में देसी फ्रिज यानी की सुराही,मटका घड़े आदि का उपयोग बहुत ही अधिक संख्या में शहर के लोग कर रहे हैं जिसके चलते शहर के विभिन्न मोहल्लो तथा प्रमुख चौराहों पर स्थित दुकानों पर मटके तथा सुराही सजी हुई देखी जा सकती है। शहर के रिकाबगंज चौराहा, लालबाग मोहल्ला, बछड़ा सुलतानपुर, वजीरगंज, जप्ती, देवकाली तिराहा, साहबगंज सहित कई ऐसे प्रमुख चौराहे तथा मोहल्ले पर भारी संख्या में रंग–बिरंगे सुराही, घड़े तथा मटके सजे हुए हैं।जिसे लेने के लिए इन दुकानों पर भारी ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है। इसमें टोटी आदि भी लगी होने के चलते दामों में भी काफी बढ़ोतरी हो रहती है।इस संबंध में दुकानदारों ने बताया कि क्वालिटी तथा रंगरोगन के हिसाब से उनके यहां सुराही,घड़े व मटके सही दामों पर उपलब्ध हैं।

डीजे पर आपत्तिजनक गाना बजाने से मना करने पर संचालक को पीटा

गोरखपुर, (संवाददाता)। पीपीगंज थाना क्षेत्र में डीजे पर आपत्तिजनक गाना बजाने से मना करना संचालक को भारी पड़ गया। मनबढ़ युवकों ने पहले समारोह के दौरान उसकी पिटाई की और अगले ही दिन रास्ते रोककर दोबारा मारपीट की। पुलिस ने मंझरिया गांव के जाबारी टोला निवासी रमेश की तहरीर पर आरोपी आशीष, शैलेश, कोइल, हनुमान, हिमांशु यादव और शिवा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रमेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 21 अप्रैल को गांव के ही देवेंद्र के घर आयोजित एक कार्यक्रम में डीजे बजाने गया था।

डायरिया का प्रकोप, एक दिन में 200 मरीजों का इलाज

गोरखपुर, (संवाददाता)। बढ़ती गर्मी के साथ डायरिया और पेट संबंधी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। लू व दूषित भोजन के कारण एम्स, मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल समेत निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। हालात यह हैं कि एक ही दिन में करीब 200 मरीजों का इलाज किया गया। इनमें सबसे ज्यादा संख्या बच्चों की रही, जो उल्टी, दस्त, पेट दर्द व बुखार जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। डॉक्टरों के मुताबिक, तेज गर्मी और उमस के कारण खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो रहे हैं। दूषित भोजन और संक्रमित पानी के सेवन से डायरिया, फूड पॉइजनिंग और पेट संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। खासकर छोटे बच्चे और बुजुर्ग इसकी चपेट में जल्दी आ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में ओपीडी से लेकर इमरजेंसी तक मरीजों की संख्या बढ़ गई है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रेयंश का कहना है कि बाहर मिलने वाले खुले खाद्य पदार्थ, कटे फल, बासी खाना और ठंडे पेय पदार्थों का सेवन बच्चों में बीमारी की मुख्य वजह बन रहा है। कई बच्चों में शरीर में पानी की कमी होने लगी है, जिसके चलते उन्हें भर्ती कर इलाज करना पड़ रहा है। मरीजों को ओआरएस, साफ पानी और हल्का भोजन लेने की सलाह दी जा रही है। दूसरी ओर गर्मी के कारण लोगों की नींद भी प्रभावित हो रही है। रात में बिजली कटौती, उमस और गर्म हवाओं के कारण नींद पूरी नहीं हो पा रही। चिकित्सकों के अनुसार, पर्याप्त नींद न मिलने से ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ़ रही है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आने से किशोरी की दर्दनाक मौत, माँ,बहन गंभीर रूप से घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।मिल्कीपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 16 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई,जबकि उसकी बहन और मां गंभीर रूप से घायल हो गईं।यह हादसा थाना इनायतनगर क्षेत्र के मंजनाई–गोठवारा संपर्क मार्ग पर स्थित एक मिडिल स्कूल के पास हुई।मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम गोठवारा पूरे नउवाढाक निवासी महिमा चौहान (16) पुत्री रामराज चौहान, अपनी बहन काजल (20) और मां राजकुमारी के साथ किसी काम के लिए गांव के बाहर जा रही थीं।इसी दौरान मिट्टी लदा एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली अनियंत्रित होकर तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई और महिमा उसके नीचे दब गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना इनायतनगर के प्रभारी निरीक्षक रतन कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रॉली हटाने के लिए क्रेन की मदद ली गई, जिसके बाद महिमा का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर चालक तेज गति से वाहन चला रहा था और उसके कान में इयरफोन लगा हुआ था, जिससे उसका ध्यान भटक गया और वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर राधा भट्टा के पास मीठे गांव क्षेत्र में मिट्टी गिराने का कार्य करता है।हादसे में गंभीर रूप से घायल काजल को तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं मां राजकुमारी को भी गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना के बाद चालक ट्रैक्टर–ट्रॉली छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश जारी है।मृतका के पिता रामराज दिल्ली में एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। परिवार में दो अन्य बेटे भी हैं। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है।

हसनगंज सीएचसी में शुरू हुआ सीजर ऑपरेशन

उन्नाव, (संवाददाता)। सीएचसी में पहली बार सफलतापूर्वक सीजर ऑपरेशन किया गया। इससे अब गर्भवतियों को 50 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। पहले चरण में हर महीने कम से कम पांच सीजर का लक्ष्य रखा गया है। हसनगंज सीएचसी में शुक्रवार को ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में पहला सफल सीजर ऑपरेशन किया गया। मियागंज ब्लॉक के सारंगहार निवासी खुशबू पत्नी अंकित सिंह का ऑपरेशन कर प्रसव कराया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।